NAV-BHARAT, Mumbai, 11.8.2023
Page No. 3, Size:(10.81)cms X (7.55)cms.

विकास | NHSRCL ने दिया बुलेट ट्रेन के आखिरी सिविल वर्क का ठेका, 4 कंपनियां थी रेस में

अब 'बुलेट' की रफ्तार पकड़ेगा बुलेट ट्रेन का काम

कड़ी प्रतिस्पर्धा में L&T को मिली सफलता

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. बुलेट ट्रेन के निर्माण में लगी एनएचएसआरसीएल ने 508 किमी लम्बे रूट के एक हिस्से के रूप में महाराष्ट्र में पड़ने वाले 135 किमी रूट के सिविल और निर्माण कार्यों का डिजाइन और निर्माण कार्य का कॉन्ट्रैक्ट एलएंडटी को 10 अगस्त को आधिकारिक रूप से दे दिया गया. इस पर फैसला पिछले महीने 19 जुलाई को लिया गया था, जब 4 कंपनियां इस रेस में थी पर बाजी एलएंडटी ने मारी थी. अब इस कॉन्ट्रैक्ट के साथ ही पूरी 508 किमी लम्बे रूट का निर्माण कौन सी कंपनी करेगी? यह साफ हो गया है. 508 किमी एमएएचएसआर एलाइनमेंट में से गुजरात में 352 किमी के लिए ट्रैक कार्यों की निविदाएं भी प्रदान की जा चुकी हैं. एमएएचएसआर कॉरिडोर के लिए हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम के लिए भारतीय इंजीनियरों और वर्क लीडर्स का प्रशिक्षण पहले ही शुरू किया जा चुका है. सूरत डिपो में विशेष रूप से निर्मित सुविधा में लगभग 1000 इंजीनियरों, वर्क लीडर्स, तकनीशियनों को प्रशिक्षित किए जाने की योजना बनाई गई है, जिसमें लगभग 20 जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण देंगे और उनके कौशल को प्रमाणित करेंगे. गौरतलब है कि कुल 508 किमी लम्बे बुलेट ट्रेन के निर्माण को 11 सिविल पैकेज में बांटा गया है. इस पूरे 11 सिविल पैकेज में 3 पैकेज महाराष्ट्र में आता है, जिसमें 156 किमी का रूट शामिल है.

1000 इंजीनियरों, वर्क लीडर्स, तकनीशियनों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

20 जापानी विशेषज्ञ देंगे प्रशिक्षण

156 किमी होगा महाराष्ट्र में

3 पैकेज में बंटा है सिविल वर्क का काम

महाराष्ट्र में 156 किमी लम्बे रूट को सी-1, सी-2 और सी-3 पैकेज में बांटा गया है. सी-3 के तहत मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए ठाणे, विरार और बोईसर स्टेशनों सहित शिलफाटा और जरोली (महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर) के बीच 135 किमी रूट का के सिविल और निर्माण कार्यों का डिजाइन और निर्माण कार्य का काम एलएंडटी को मिला है. इसके लिए 4 कंपनियों ने बोली लगाई थी. 156 किमी लम्बे महाराष्ट्र के रूट के अलावा, 348 किमी गुजरात में और 4 किमी दादरा-नागर हवेली में पड़ता है.

ठाणे, विरार और बोईसर स्टेशन हैं इस पैकेज में

एनएचएसआरसीएल ने एक बयान जारी कर बताया कि सी-3 पैकेज की कुल लंबाई 135 किमी है जो महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर शिलफाटा और ज़ारोली गांव के बीच है. इसी पैकेज में ठाणे, विरार और बोईसर स्टेशन हैं. इसमें 124 किमी में वायाडक्ट और पुल होंगे जबकि 12 स्टील पुलों सहित कुल 36 पुल और क्रॉसिंग बनाये जायेंगे. इसके अलावा 6 टनल पहाड़ों को काटकर बनाई जाएगी. इसी पैकेज में प्रोजेक्ट का सबसे लंबा 2.28 किमी ब्रिज वैतरणा नदी पर होगा, जबकि उल्हास नदी और जगनी नदी पर भी ब्रिज बनाये जायेंगे.

पूरा कॉरिडोर 28 कॉन्ट्रैक्ट पैकेजों में

बता दें कि पूरे कॉरिडोर को 28 कॉन्ट्रैक्ट पैकेजों में विभाजित किया गया है, जिनमें से 11 सिविल पैकेज हैं, जिन्हें 33 महीनों की अवधि में कॉन्ट्रैक्ट दिया गया.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Surat, 11.8.2023
Page No. 2, Size:(5.38)cms X (9.51)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

गुजरात के बाद महाराष्ट्र में भी 100% सिविल कॉन्ट्रैक्ट पूरा

सूरत | नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के सिविल वर्क (एमएएचएसआर- सी 3) का आखिरी ठेका दे दिया है। इससे मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर के 100% सिविल वर्क का ठेका पूरा हो गया है। महाराष्ट्र में दिए अंतिम सिविल कॉन्ट्रैक्ट के तहत 135 किमी कॉरिडोर में 7 सुरंगें और वैतरणा नदी पर 2 किमी लंबे पुल का निर्माण शामिल है। यह कॉरिडोर का सबसे लंबा पुल होगा। महाराष्ट्र में मुंबई (बीकेसी) एचएसआर स्टेशन (सी 1), 7 किमी समुद्री सुरंग सहित 21 किमी की सुरंग और 135 किमी कॉरिडोर (सी 3) के लिए दिए जा चुके हैं।

महाराष्ट्र में हाई स्पीड कॉरिडोर

- 135 किमी लंबाई
- 124 किमी वायडक्ट और पुल
- 36 पुल और क्रॉसिंग (12 स्टील पुल सहित)
- 03 एलिवेटेड स्टेशन- ठाणे, विरार और बोईसर
- 06 पर्वतीय सुरंग
- उल्हास नदी, वैतरणा और जगनी नदी पर पुल